



श्री ११३ / ५५१५

ASHA ARCHIVES

3738

१ कामात्री ॥ आर्त ॥ १ वन्दे कामाक्षीं संप्राप्तं तत्तिळादि
समयरा। सूर्यविम्बनिर्वादि विह्वली मद्युदसि नानना॥
बालरूपी महा माया को मात्री यत्नरूपिणी। अर्द्धव
तुल्यजकार्यं यत्कृत्वा किं सुखं ॥ यद्वात्रागमनि
मालि मुकालं काम स विना। निखिनाइ समावृता

रिद्धि लक्ष्मी नमः ॥ ॐ यत्र सदा सिनी निर्वाणमा र्जदवी विष
मायस्य वयसमनी सकलद्विजा विष्णु कृष्णदलनी सदा
यदाभा वितात्र सी सकल गणयु समर्थनी देवी कृष्णे श्री
गुरु दसदसवर्जवर्ज ननू वित्रांगवत्तम लक्ष्मी ममस्य
गुरु मद्द मद्द स्वादि स्वादि विष्णु लन रिद्धि रिद्धि चिंद

चिन्तय स्वप्न न तात य तात यच्छुद यच्छुद य ताव श्याव ७
 मम सकल मनीषार्थ साधय साधय यत्र म कात्रु निकल गव
 तिमहेशि जव कृप वली लिद श वत्र न मिग सकल मन्त्रमा
 तश्च य ग ता जन वच्छु न दवी महा काल काल ना शनी कूंक
 कूंक एसी द मद नां तु गी कनू कनू सूना सूत्र कथ कां डी हों

ॐ हूं रुट रुट स्वाहा ॥

ॐ श्री सिद्धिलोक नमः ॥ अस्य गार्जय दमहा मन्त्रस्य
यज्ञायेति जपि ४ अनु कृ पू दे श्री सिद्धिलोका देव
ता सर्वथ सिद्धय विनिश्चय ॥ ४५ ॐ निवेदा ॐ स्वि
लम्प ॥ ॐ ॐ रुट स्वाहा नमः ॥ ददय ॥ ॐ नमः

नी ॥ सिद्धस ॥ हूं मंम क्षमा ॥ विरवाय ॥ ॐ नं अना
मिका ॥ कववाय ॥ ॐ कनिष्ठिकाय ॥ नगाय ॥ कायक
नतन ॥ का वाममर्व ॥ नमः दक्षिणमनिर्व ॥ मूल
नकायसाधन ॥ ॐ यनहं सिनी ॥ ददय ॥ ॐ निर्वलिमा
मद ॥ सिद्धस ॥ ॐ सकलदू रिता रिद्ध कृ षा दलनी
ॐ विषया व ह्यव स म नि ॥ सिद्धाय

वयाय ॥ सर्वदा दाक्षिणाती नमः ॥ सकल
यमथनी । ब्रह्माय नमः ॥ ० ॥ ॐ नमः सर्वसिद्ध्याग्निनी
त्या उर्ध्ववक्त्रा नाथणीया ॥ ॐ नमः सर्वसिद्ध्याग्निनी
१ कुर्वन्नाथणीया ॥ ॐ नमः नमो नित्यादिता नन्दी न्येदकि
न वक्त्रा नाथणीया ॥ ॐ नमः सकलकलयुक्ता नाथउ

नेत्रवक्त्रा नाथणीया ॥ ॐ नमः लगवत्त्रे चन्द्रका वालिने
यङ्कि मवक्त्रा नाथणीया ॥ ॐ नमः यत्रमर्द सिनी सर्वरूपा
गकि ददय नाथणीया ॥ ॐ नमः निर्वाण मन्त्र नित्य
फिता गकि नाथणीया ॥ ॐ नमः विषमा यज्ञ मन्त्र
नादि वाग्नि गकि लिखो नाथणीया ॥ ॐ नमः सकल

शुलिन कुंज दलनी स्वतन्त्रता गकि ननु नाथ कवचाय
द्रु ॥ शुं नमः सर्वदा दाशा विनयनि ब्रह्म कता गकि न
नाथ ननु गयो यदु ॥ शुं नमः सकल गपु मथनी ब्र
नन्तता गकि नाथ ब्रह्माय रुद्र ॥ आसन पूजा

ॐ शुं महा नमः श्री लक्ष्मी प्रसिद्धाया युगप्रता । यश्च
वक्त्रा दगा रुद्रा विदुश्च नयन युगा ॥ ८४ तव धाम

दादवी महा युगा यप्रि स्मिता । मातृका एकम ८४ रु सिद्धि
आगिनि युद्धिता ॥ मोन्या गुज प्रता वनमा धके ल्हा समाह
गा ४ । दाप्रिता त्वाल लिदाना काला दुष्टं कर्तुं जग ७ ॥ उल्हा
मा क्हा सथा । मन वाल यत्कल यवना न । कचित्क य ७ क
चित्क हनन युगा ॥ कचित्क ध क्क विलान्ध स्वतन्त्रं क्हा प्रव
र्तन । मनसा तनने युगा । उत्र गन्ध विरु विता ॥ या

वराह दैव्य ग्रादवी वरदा तय या विनी । सद्य हस्त धर्त
 स्वर्गं जैला कक्षा तका जर्ग ॥ वाम स्वर्ग मलयुगं दक्षिण
 भूलभूतम् । भूय प्रक दलं त्रैलोक्यं कृतज्ञा सर्ववृत्ति ॥
 सद्य हस्त चक्रे वेमूर्त्तं अमित भक्तकं । वाम कर्ण दिव्य
 महा प्रत्न युदीयकं ॥ अथ यत्नं गिरादवी तनूना गय दक्ष
 म । एका सान कल दन दिव्य यार्क य व स्थिता ॥ अथ गि

गामहादवी सिद्धि लक्ष्मी जपेदा ॥ २५ ॥ आवाहनादि यायादि
 उं ग्रा सिद्धि लक्ष्मी विद्महे नवतत्वा य विमह तनाल लक्ष्मी य
 वा दया ७ ॥ उं रु सिद्धि लक्ष्मी रुं रुं कनालि रुं रुं रुं रुं
 उं स्वाहा ॥

श्री गणेशाय नमः

मि पदक पावक दंड ॥
माके से हुना डान रो ॥
धुने जी फरसा पाडा ॥
स्वामी रत्ना डसा व से द ॥
इपसा ही ने दाम ॥

तो पावी कात ही क दंड ना ॥
नया फ सा रु सो द यो ॥
तो पा मा या मा खत से न सा वरु क द ॥
न ता रु द ॥
गवन या का डो क व डान डा यो ॥
से सो न स द न क मी सो न द र सा मी ॥
धिया कत रु ना क मु द डान म म ॥
न रु म म न सी क डो ग्रे या सा मु द य ॥
द थ क सा मी या का ड रु सा द ॥

सा क स पा का ड मा म म को का ॥
ख न पा य रु स मा म सो म ड ॥
र का या मा या मा खत से न सा क न रु यो ॥
रे ना सत का त सा ड न रु यो ॥
ग न न म पा का डो क व ल ख वो ता रु द ॥
ग ग रु मु द म क मी सा यो व रु द यो त क ॥
न थ यो के क त रु ना डो रु श यी ॥
रु रु ख त रु सा द यो थ को ॥
म व मा ती व मा र्द न न ना क म द रु ता म ॥
म र व पा क डो ग व रु व कु दो न द यो ॥
वा क स म र्द न रा त वो डो का ड न जो द ॥
ख न या य त सा ड न द यो व ल ॥
उ ग आ ख त से न सा स र्ज स ॥
वा से त क र सा ग न द ॥
क द से स ड क व रु से ख म थ नी ॥
ध यो ग रु स व रु द ॥ नी रु मा ॥
ध यो क त रु नी द ॥ यो ड न ॥
ख न का वी जा त त ये न म रु स रु ॥

स सी त स न क डो व ॥
ध या क त रु ना मु द ॥
ध या वृ प द ॥ लो व वृ लो द ॥
ध या रु से का ड सा रु द ॥
ध या वृ ख रु सा द ॥
से से का य ड न सा म सी म ड ॥
के स या का ड सी रु ॥
को रु ड न सा मी सा रु ॥

गवन न या वी क त न ना न डा यो म ॥
गवन या का डो क मी क ड मी रु द ॥
स सी त स द न क मी सा यो व लो द ॥
ध या क त रु ना मु द ॥
को डे रा ल वा डो व सी रु द ॥
ध क नु सु वी त या तो रु द ॥
ध ग व रु को सा हान डे ॥
स स का मी रु द ॥
व र्था न सा स रु से द ॥
वा स त या वी ग त या य ग ॥

वा म क सा ग न द ॥
गवन या का डो क व म र्द ना ॥
स सी त स द न क मी या पा व लो द ॥
ध या क त रु ना व यो ना क रु द ॥
रु रु म ख त डो रु सी यो ड ॥
ध क र्वा मी का वा सी ली व न स म र ॥
ध ग म रु का सा स व म न द ॥
स ल का सो रु सी द ॥

गवन स न या वा या त स यो ना म स यो ना ॥
गवन स न सा रु सा द ॥
जी स न का त सा म रु का म रु ॥
गवन या का डो क न रु की यो ॥

[illegible][illegible]

॥ ३० ॥ रु ओ रे ३० ॥ हं कू कू कि सु । क व । सी सी । व ल म य या व
 ॥ सा ता ह री लू द्या सा ह्नी ॥ ३० ॥ सी ट । य र ३० ॥ पा । उ द
 पा वी मं ग । जा कं सा । वा कं म ला । उ ग जा व । दू ग यू या हा ।
 रू नू । वृ का म य म ल । जा गी नी रं ड । लू दा य नी । ज्ञा त र
 ॥ स र गू सा वृ ~~रू~~ ~~रू~~ ॥ रं दी मा हा का । रु रू नी । ज्ञा त
 ॥ सी सु वा गी ओ रे ॥ हं म यू ली या ना म का ना ॥ म ह
 ॥ रं ल म ह नी ॥ दा रु ल स ॥ रु

॥ ३० ॥ रु ओ रे ३० ॥ हं कू कू कि सु । क व । सी सी । व ल म य या व
 ॥ सा ता ह री लू द्या सा ह्नी ॥ ३० ॥ सी ट । य र ३० ॥ पा । उ द
 पा वी मं ग । जा कं सा । वा कं म ला । उ ग जा व । दू ग यू या हा ।
 रू नू । वृ का म य म ल । जा गी नी रं ड । लू दा य नी । ज्ञा त र
 ॥ स र गू सा वृ ~~रू~~ ~~रू~~ ॥ रं दी मा हा का । रु रू नी । ज्ञा त
 ॥ सी सु वा गी ओ रे ॥ हं म यू ली या ना म का ना ॥ म ह
 ॥ रं ल म ह नी ॥ दा रु ल स ॥ रु



3738

ASHA ARCHIVES

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शिष्यतमः ॥
 त्वत्कीदृशं ध्यायेत् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय